तुम बिना मोरी कौन खबर ले

तुम बिना मोरी, कौन खबर ले,
गोवर्धन गिरधारी रे ॥
*तुम बिना मोरी, कौन खबर ले ।
गोवर्धन गिरधारी रे,,,
तुम बिना मोरी, कौन खबर ले,
गोवर्धन गिरधारी रे ॥

औरन को तो, और भरोसो* ॥
हमको तो आस तुम्हारी रे,,,
तुम बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मोर मुकुट सिर, छत्र विराजे* ॥
कुण्डल की छवि न्यारी रे,,,
तुम बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

लटपट पाग, केसरिया जामा* ॥
हिवड़े ओ हार हज़ारी रे,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

यमुना के तीर, धेनु चरावे* ॥
बँसी वजावे, छत्र धारी रे,,,
तुम बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

वृन्दावन में, रास रचो है* ॥
गोपियों में गिरवर धारी रे,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

छप्पन भोग, छतीसों मेवा* ॥
भोग लगावे राधे प्यारी रे,,,
तुम बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

वृंदावन की, कुंज गली में* ॥
सोहत राधे प्यारी रे,,,
तुम बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

इंद्र कोप, कियो बृज ऊपर* ॥
नख पर गिरवर धारी रे,,,
तुम बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सूरदास प्रभु, तिहारे मिलन को* ॥
चरण कमल बलिहारी रे,,,
तुम बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर – अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24726/title/tum-bina-mori-kaun-khabar-le

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |